SET-1

Series JMS/2

कोड नं.
Code No. 3/2/1

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में* ***चार*** *खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

दार्शनिक अरस्तू ने कहा है – "प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए ।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता । अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे । इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं । किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती । समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं । जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है । समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं । समय निरंतर गतिमान है । इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए । साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए । सफल जीवन की यही कुंजी है ।

(क) जीवन के अमूल्य क्षणों को किस प्रकार के व्यक्ति खो देते हैं ? *2*

(ख) भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान क्यों कहा गया है ? *2*

(ग) दार्शनिक अरस्तू के कथन का आशय लिखिए । *2*

(घ) लक्ष्मी किसे प्राप्त होती है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बहुत घुटन है बंद घरों में, खुली हवा तो आने दो,
संशय की खिड़कियाँ खोल, किरनों को मुस्काने दो ।

ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं,
चमक-दमक, आपा-धापी है, पर जीवन का नाम नहीं
लौट न जाए सूर्य द्वार से, नया संदेशा लाने दो ।

हर माँ अपना राम जोहती, कटता क्यों वनवास नहीं
मेहनत की सीता भी भूखी, रुकता क्यों उपवास नहीं ।
बाबा की सूनी आँखों में चुभता तिमिर भागने दो ।

हर उदास राखी गुहारती, भाई का वह प्यार कहाँ ?
डरे-डरे रिश्ते भी कहते, अपनों का संसार कहाँ ?
गुमसुम गलियों को मिलने दो, ख़ुशबू तो बिखराने दो ।

(क) 'ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) सूर्य द्वार से ही क्यों लौट जाएगा ? 2

(ग) आज रिश्तों के डरे-डरे होने का कारण आप क्या मानते हैं ? 1

(घ) 'तिमिर' शब्द का अर्थ लिखिए । 1

(ङ) कवि ने क्या संदेश दिया है ? 1

अथवा

मेरा माँझी मुझसे कहता रहता था
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना ।
पर जो बार-बार बाधा बन के आएँ,
उनके सिर को वहीं कुचल कर बढ़ जाना ।
जानबूझ कर जो मेरे पथ में आती हैं,
भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें ।
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ,
उतनी ही मिलती हैं, ये ग्रीवा ताने ।
रख अपनी पतवार, कुदाली को लेकर
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ ।
राह बनाकर नाव चढ़ाए जाता हूँ,
जीवन की नैया का चतुर खिवैया मैं
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ ।

(क) राह में आने वाली बाधाओं के साथ कवि कैसा व्यवहार करता है ? 2

(ख) कवि ने हमें क्या प्रेरणा दी है ? स्पष्ट कीजिए । 2

(ग) कवि ने अपना माँझी किसे कहा है ? 1

(घ) 'उन्नत भाल' का क्या आशय है ? 1

(ङ) 'जीवन की नैया का चतुर खिवैया' किसे कहा गया है ? 1

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु के साथ ही फ़ादर के शब्दों से झरती शांति भी याद आ रही है । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) रात हुई और आकाश में तारों के असंख्य दीप जल उठे । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) माँ ने कहा कि शाम को जल्दी घर आ जाना । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(घ) पान वाले के लिए यह मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : *1×4=4*

(क) हालदार साहब ने पान खाया । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) दादा जी प्रतिदिन पार्क में टहलते हैं । (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) गांधी जी द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया गया । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) पान कहीं आगे खा लेंगे । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) खिलाड़ी दौड़ नहीं सका । (भाववाच्य में बदलिए)

5. निम्नलिखित वाक्यों में से ***किन्हीं चार*** रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

(क) सुरभि विद्यालय से अभी-अभी आई है ।

(ख) उसने मेरी बातें ध्यानपूर्वक सुनी ।

(ग) शाबाश ! तुमने बहुत अच्छा काम किया ।

(घ) वहाँ दस छात्र बैठे हैं ।

(ङ) परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती ।

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) 'भयानक रस' का एक उदाहरण लिखिए ।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए :

तनकर भाला यूँ बोल उठा
राणा ! मुझको विश्राम न दे ।
मुझको वैरी से हृदय-क्षोभ
तू तनिक मुझे आराम न दे ।

(ग) 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है ?

(घ) 'शांत' रस का स्थायी भाव क्या है ?

(ङ) किस रस को 'रसराज' भी कहा जाता है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ । धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें । पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज़ समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे । उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं... केवल दिया ही दिया । हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता ।

(क) माँ की उपमा धरती से क्यों की गई है ? *2*

(ख) लेखिका को माँ का कौन-सा रूप अच्छा नहीं लगता था ? क्यों ? *2*

(ग) लेखिका और उसके भाई-बहिनों की सहानुभूति किसके साथ थी ? *1*

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) मन्नू भंडारी और उनके पिता के बीच मतभेद के दो कारण लिखिए ।

(ग) कैप्टन कौन था ? वह मूर्ति के चश्मे को बार-बार क्यों बदल दिया करता था ?

(घ) फ़ादर बुल्के को हिन्दी के बारे में क्या चिंता थी ?

(ङ) खीरा काटने में नवाब साहब की विशेषज्ञता का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

लखन कहा हँसि हमरे जाना । सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोहि ।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही । बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही । बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा ।।

(क) परशुराम के क्रुद्ध होने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए ? *2*

(ख) प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर लिखिए कि परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा । *2*

(ग) परशुराम के बारे में कौन-सी बात विश्व प्रसिद्ध थी ? *1*

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'सूरदास' के पद के आधार पर लिखिए कि गोपियों ने किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं ।

(ख) 'उत्साह' कविता में कवि बादल को गरजने के लिए क्यों कहता है ? बादल से कवि की अन्य अपेक्षाएँ क्या हैं ?

(ग) 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है ? स्पष्ट करते हुए बताइए कि कविता क्या संदेश देती है ।

(घ) 'फ़सल' कविता में 'हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) 'संगतकार' किन-किन रूपों में मुख्य गायक की सहायता करता है ? कविता के आधार पर उसकी विशेष भूमिका को भी स्पष्ट कीजिए ।

11. 'माता का अंचल' नामक पाठ में लेखक ने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का जो चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए । *4*

अथवा

जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता यहाँ तक की भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करता है ? आप इस बारे में क्या सोचते हैं ?

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

- जीवन शैली
- कामकाजी महिलाओं की समस्या
- सुरक्षा में कमियों के कारण व सुझाव

(ख) मित्र की परख संकट में

- भले दिनों के मित्र
- बुरे दिनों के मित्र
- मित्र की परख

(ग) मेरी कल्पना का विद्यालय

- विद्यालय में क्या है अनावश्यक
- क्या-क्या है आवश्यक
- विद्यालय और परिवेश

13. आपके क्षेत्र में डेंगू फैल रहा है । स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उपयुक्त चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए । *5*

अथवा

अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखकर धन्यवाद दीजिए कि आड़े वक्त में उसने किस तरह आपका साथ दिया था ।

14. आपके शहर में एक नया वाटर पार्क खुला है, जिसमें पानी के खेल, रोमांचक झूलों, मनोरंजक खेलों और खान-पान की व्यवस्था है । इसके लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

अथवा

आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं । इसके लिए पूरा विवरण देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए ।